



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
एचआर डेकिंग न्यूज	12.10.2021	--	--

डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं किसान

एचआरू के सायना
नेहवाल संस्थान में
डेयरी फार्मिंग विषय पर
प्रशिक्षण का समापन

एचआर डेकिंग न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह डेयरी फार्मिंग कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं विज्ञान संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 40 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सायना के राहु विभाग (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार शेट्टी ने बताया कि कुलश्री प्रोग्राम के अंतर्गत, राजस्थान के रिवा-रिवा में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवा-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि विभाग डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में आमदनी बढ़ाने का सर्वोच्च उपाय मानता है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को दूध के उत्पाद बनाना शुरू करने, दूध को सहेजना सीखाने, चारे बनाने



प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते वैज्ञानिक।

कमलों का उत्पाद, सफाई में हो करने के तरीके, विभिन्न वाहनों बनाने के लिए उचित तरीके विभिन्न प्रकार की जलकरोती से बनाना बताया। डॉ. अशोक कुमार ने दूध के उत्पाद बना कर इसका मूल्य बढ़ाने

का अधिक दूध उत्पादन होने का इसके जोखिम कम कर अपनी आय में इजाफा करने के बारे में बताया। डॉ. अमित कुमार ने पशुपालकों को सहायक व्यवसायों के अंतर्गत में दूध से पैसा की सार्वजनिक मार्गदर्श

बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का बताया तरीका

प्रशिक्षण में डॉ. अशोक शेट्टी ने बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया ताकि किसानों को कृषि का अंतर्गत में शामिल हो जा सकें और बैंक से चारे बनाने का प्रयोग का प्रयोग हो सके। डॉ. अशोक ने अग्रिम दूध उत्पादन में इसके जोखिम के साथ प्रतिभागियों के बारे में बताया ताकि दूध का अधिक लाभ का संशोधन किया जा सके। डॉ. सुरेंद्र ने चारे को पशुओं के चारे में कटोरे बनाने में होने वाले खर्चों के बारे में बताया। डॉ. अशोक ने दूध से चारे, जलाने या सफाई तैयार करने को बताया कि यह लाभ के बारे में बताया। डॉ. अशोक ने दूध को सहेजने और इसका प्रयोग के बारे में बताया। डॉ. अशोक ने बताया कि चारे को सहेजने में होने वाले खर्चों के साथ में उनका अधिक उत्पादन के बारे में बताया। डॉ. अशोक ने दूध से चारे, जलाने और सफाई तैयार करने का बताया कि यह लाभ के बारे में बताया। डॉ. अशोक ने दूध से चारे, जलाने और सफाई तैयार करने का बताया कि यह लाभ के बारे में बताया। डॉ. अशोक ने दूध से चारे, जलाने और सफाई तैयार करने का बताया कि यह लाभ के बारे में बताया।

का प्रयोग ऐसे दूध, दूध के थोड़े थोड़े पैसा का प्रयोग पर निर्भर करने की जानकारी दी। डॉ. सायना ने चारे बनाने का प्रयोग या सफाई में हो करने के तरीके बताया। डॉ. अशोक चारे को कमी होने पर इस समय विज्ञान का चारे

को कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. अशोक ने विभिन्न वाहनों बनाने के तरीके, जलाने का मूल्य, चारे के विभिन्न रूप चारे का दूध में थोड़े थोड़े का प्रयोग या इससे अपने कमी खर्चों के बारे में प्रतिभागियों का कि दिखाया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	12.10.2021	--	--

डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं किसान

बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक मिलेगा लाभ : डॉ. गोदारा

■ एचएयू के सायना
नेहवाल संस्थान में
प्रशिक्षण का समापन
सच कर्त/सदीप विहवार



हिस्सार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सहकार नेहवाल कृषि जैववैज्ञानिक, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रवेशिका के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार दोसरा ने बताया की कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के दिश-निर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण संस्थाएं आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को

अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सार्वजनिक बीमारियों, धार वाली फसलों का

इसमें सहभाग्य व ले करने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के लिए तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारीयों से अवगत कराया। डॉ.संदेश चूडन ने दूध के तापक बनाकर इसका मूल्य संवर्धन करने व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके डॉटवक बंध कर अपनी आमदनी में इजाफा करने के बारे में बताया। डॉ. अमित दुनिया ने पशुआयतियों को

बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का बताया तरीका

प्रशिक्षण में डॉ. सतीश जगड़ा ने बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया ताकि डेयरी की सुविधा आसानी से स्थापित की जा सके और बैंक से आने वाली समस्या का निदान हो सके। डॉ. तजिंद ने क्लीन दूध उत्पादन व उसके बजारण के समय स्वास्थ्यविधियों के बारे में बताया ताकि दूध का अधिक लम्बे

समय भंडारित किया जा सके। डॉ. भूपेन्द्र ने हरे धारे व पशुओं के धारों में कौन सा रोग होने वाली रोगजनों के बारे में बताया। डॉ. राजशिवी ने दूध में घटी, लहसी व नींबू का तैयार करने की जानकारी व महत्व के बारे में बताया। डॉ. नीलेश ने पशुओं की बीमारियों और उनका निदान के बारे में बताया।

सामान्य बीमारियों के संदर्भ में पाल व बैंस की शारीरिक संरचना का परिचय देने हुए पाल के खरों लक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डॉ. लक्ष्मण ने धारे वाली फसलों का प्रबंध व साफलेन बनाने के तरीके बताया। ताकि किसान धारे की कमी होने पर उस

समय डिवाइसर धारे की कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. रमेश प्रोफेसर ने मिल्क पाउडर बनाने के तरीके, आंजले का सुरक्षा, धारों के विकसित तथा फसलों का जूस में धारों का प्रयोग व इससे आने वाली समस्या के बारे में शारीरिक बन के दिखाया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय



समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देश बंधू	12.10.2021	--	--

डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं किसान

हिसार, 11 अक्टूबर (देशबन्धु)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मायना नैशनल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया।

संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदरा ने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेंज व हे बन्धने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के और तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों से स्बद्ध

समायना नैशनल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की ओर से डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

कराया। डॉ. संदीप दुहन ने दूध के उत्पाद बना कर इसको मूल्य संवर्धन करने व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके अधिकतम बना कर अपनी आय में इजाफा करने के बारे में बताया।

डॉ. अमिता बुनिया ने पशुपालकों को सामान्य बीमारियों के संदर्भ में गाव व घिस की शारीरिक संरचना का परिचय देते हुए पशु के बाहरी रक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डॉ. सत्यवान ने चारे वाली फसलों का प्रबंध व साइलेंज व हे बन्धने के तरीके बताए। ताकि किसान चारे की कमी होने पर उस समय खिल कर चारे की कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. रेखा फोगट

ने मिल्क पाउडर बनाने के तरीके, अंकले का मूल्या, चारे के बिकवट तथा फसलों का दूध में मशीनों का प्रयोग व उसमें आने वाली सामग्रियों के बारे में प्रयोगिक कार के दिखाया।

बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का बताया तरीका

प्रशिक्षण में डॉ. सतीश जगदल ने बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया ताकि डेयरी को सुनिश्चित कर आमदनी से स्वार्थित को जा सके और बैंक से आने वाली समस्या का निदान हो सके। डॉ. तजिंद ने बलों दूध उत्पादन व उसके भंडारण के समय सावधानियों के बारे में बताया ताकि दूध का अधिक समय तक भंडारित किया जा सके। डॉ. भूपेन्द्र ने हरे चारे व पशुओं के दर्भे में कोट प्रबंध में होने वाली टिकाइयों के बारे में बताया। डॉ. शशिनी ने दूध से दही,

लससी व लोखंड तैयार करने की जानकारी व महत्व के बारे में बताया। डॉ. नीलेश ने पशुओं की बीमारियों और उनका निदान के बारे में बताया। डॉ. सतीश मेहता ने फसलों व चारे की फसलों में होने वाली बीमारियों के लक्षण व उनका उचित प्रबंधन के बारे में बताया। डॉ. नीरज अरोड़ा ने पशुओं के पाच, जोड़े अफुला रक्त गुणत्व, कृमि के काटने पर एवं जलने की स्थिति में प्राथमिक उपचार की जानकारी दी। साथ ही पशुओं में मौसम परिवर्तन होने पर आने वाली बीमारियां एवं मुख्य रोग जैसे पूछ व लगाम, विमोचिका, छासी, विषाट्ट लगाम, मुंह- चुर रोग, गंदगी खांच, बनेला, कटपुं में पैदाव रखने की समस्या से बचाव के टैपरी नुस्खे बताए। डॉ. भीरू सिंह ने डेयरी पशुओं का आवास प्रबंध के महत्व के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी दिल्ली	12.10.2021	-	--



पंजाब केसरी

www.PunjabKesari.com

7/12



डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं किसान

हिसार, राज पराशर (पंजाब केसरी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायन नेहरू कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ।

प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदाया ने बताया की कुलपति प्राफेसर बी.आर. काम्बोज के दिश-निर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व मिल्क पाउडर बनाने के सही तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों से रूबरू कराया। डॉ. संदीप दूहन ने दूध के उत्पाद बना कर इसका मूल्य संवर्धन करने व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके प्रोडक्ट बना कर अपनी आय में इजाफा करने के बारे में बताया। डॉ. अमित पुनिया ने

कृषि विश्वविद्यालय में डेयरी फार्मिंग विषय पर प्रशिक्षण का समापन



प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को स्वोक्षा कराते वैज्ञानिक। (छाया : राज पराशर)

पशुचलकों को सामान्य बीमारियों के संदर्भ में गाप व भैंस की शारीरिक संरचना का परिचय देते हुए पशु के बाहरी लक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डॉ. सत्यवान ने चारे वाली फसलों का प्रबंध व साइलेज व हरे बनाने के तरीके बताए। ताकि किसान चारे की कमी होने पर उस समय खिला कर चारे की कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. रंजित पुरोहित ने मिल्क पाउडर बनाने के तरीके, आंखों का मुरब्बा, छात्रों के विस्किट तथा फलों का जूस में मसूनों का प्रयोग व उसमें आने वाली सामग्री के बारे में प्रयोगिक कर के दिखाया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्तान समाचार	12.10.2021	—	—



हिन्दुस्तान समाचार

589k Followers

हिसार: डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाएं : डा. अशोक



11 Oct 2021 - 5:22 PM

एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान में डेयरी फार्मिंग विषय पर प्रशिक्षण का समापन

हिसार, 11 अक्टूबर (हि.स.)। एचएयू के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक डा. अशोक कुमार गोदारा ने कहा है कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को इस ओर विशेष ध्यान देना चाहिए। डा. अशोक गोदारा सोमवार को संस्थान की ओर से डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित कर रहे थे।

प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व हे बनाने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के तौर तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों से रुबरू कराया। डॉ. संदीप दूहन ने दूध के उत्पाद बना कर इसका मूल्य संवर्धन करने व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके प्रॉडक्ट बना कर अपनी आप में इजाफा करने के बारे में बताया।

डॉ. अमित पुनिया ने पशुपालकों को सामान्य बीमारियों के सन्दर्भ में गाय व भैंस की शारीरिक संरचना का परिचय देते हुए पशु के बाहरी लक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डॉ. सत्यवान ने चारे वाली फसलों का प्रबंध व साइलेज व हे बनाने के तरीके बताए। ताकि किसान चारे की कमी होने पर उस समय खिला कर चारे की कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. रेखा फोगाट ने मिल्क पाउडर बनाने के तरीके, आंवले का मुरब्बा, बाजरे के बिस्किट तथा फलों का जूस में मशीनों का प्रयोग व उसमें आने वाली सामग्री के बारे में प्रयोगिक कर के दिखाया।

हिन्दुस्तान समाचार/राजेश्वर/संजीव



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजय समाचार	12-10-21	05	01-05

डेयरी फार्मिंग को सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर आमदनी में इजाफा कर सकते हैं किसान

हिसार, 11 अक्टूबर (देवानंद सोनी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर बी.आर. काम्बोज के दिशानिर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व हे

एचएयू के सायना नेहवाल संस्थान में डेयरी फार्मिंग विषय पर प्रशिक्षण का समापन

बनाने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के तौर तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारीयों से रूबरू कराया। डॉ. संदीप दूहन ने दूध के उत्पाद बना कर इसका मूल्य संवर्धन करने

तरीके बताए। ताकि किसान चारे की कमी होने पर उस समय खिला कर चारे की कमी को पूरा किया जा सके। डॉ. रेखा फोगाट ने मिल्क पाउडर बनाने के तरीके, आंवले का मुरब्बा,

बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का बताया तरीका

प्रशिक्षण में डॉ. सतीश जांगड़ा ने बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया ताकि डेयरी को यूनिट का आसानी से स्थापित की जा सके और बैंक से आने वाली समस्या का निदान हो सके। डॉ. तंजिंद्र ने कलिन दूध उत्पादन व उसके भंडारण के समय सावधानियों के बारे में बताया ताकि दूध का अधिक समय तक भंडारित किया जा सके। डॉ. भूपेन्द्र ने हरे चारे व पशुओं के दानों में कीट प्रबंध में होने वाली दवाइयों के बारे में बताया।



प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते वैज्ञानिक।

व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके प्रॉडक्ट बना कर अपनी आय में इजाफा करने के बारे में बताया। डॉ. अमित पुनियां ने पशुपालकों को सामान्य बीमारियों के सन्दर्भ में गाय व भैंस की शारीरिक संरचना का परिचय देते हुए पशु के बाहरी लक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डॉ. सत्यवान ने चारे वाली फसलों का प्रबंध व साइलेज व हे बनाने के

बाजरे के बिस्किट तथा फलों का जूस में मशीनों का प्रयोग व उसमें आने वाली सामग्री के बारे में प्रयोगिक कर के दिखाया।

डॉ. शालिनी ने दूध से दही, लस्सी व श्रीखंड तैयार करने की जानकारी व महत्ता के बारे में बताया। डॉ. नीलेश ने पशुओं की बीमारियों और उनका निदान के बारे में बताया। डॉ. सतीश मेहता ने फसलों व चारे की फसलों में होने वाली बीमारी के लक्षण व उनका उचित प्रबंधन के बारे में बताया। डॉ. नीरज अरोड़ा ने पशुओं के घाव, फोड़े अफारा रक्त गुलम, कुत्ते के काटने पर एवं जलने की स्थिति में प्राथमिक उपचार की जानकारी दी। साथ ही पशुओं में मौसम परिवर्तन होने पर आने वाली बीमारियां एवं मुख्य रोग जैसे भूख न लगाना, निमोनिया, खांसी, चिचड़ लगाना, मुह-खुर रोग, पंदागी खाना, थनेला, कटड़ों में पेशाब रकने की समस्या से बचाव के देसी नुस्खे बताए। डॉ. नरेंद्र सिंह ने डेयरी पशुओं का आवास प्रबंध के महत्ता के बारे में बताया। डॉ. निर्मल ने दूध व दूध के बने उत्पादों को बेचने, उसकी पैकिंग के अलावा खाने पीने वाली चीजों को बेचने के लिए लाइसेंस लेने की प्रक्रिया व उसकी महत्ता के बारे में बताया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
कृषि जागरण	12-10-21	04	2-5

डेयरी फार्मिंग अपनाकर आमदनी बढ़ाएं : गोदारा

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डा. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के दिशा-निर्देश में इस तरह के प्रशिक्षण लगातार आयोजित किए जा रहे हैं ताकि बेरोजगार युवक-युवतियों को अधिक से अधिक लाभ मिले। उन्होंने बताया कि किसान डेयरी फार्मिंग को कृषि के सहायक व्यवसाय के रूप में अपनाकर अपनी आमदनी में इजाफा



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते बिज्ञानी। • एवएयू

कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे

विज्ञानियों ने ये दी जानकारीयां

डा. संदीप दूहन ने दूध के उत्पाद बना कर इसका मूल्य संवर्धन करने व अधिक दूध उत्पादन होने पर उसके उत्पाद बना कर अपनी आय में इजाफा करने के बारे में बताया। डा. अमित पुनियां ने पशुपालकों को सामान्य बीमारियों के सन्दर्भ में गाय व भैंस की शारीरिक सरंचना का परिचय देते हुए पशु के बाहरी लक्षण देख कर समय पर निदान करने की जानकारी दी। डा. सत्यवान ने चारे वाली फसलों का प्रबंध व साइलेज व हे बनाने के तरीके बताए।

वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व हे बनाने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के तौर तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारी से रूबरू कराया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उम्र उजाला	12-10-21	03	01-02

डेयरी फार्मिंग से आमदनी बढ़ा सकते हैं किसान

हिसार। चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान द्वारा डेयरी फार्मिंग विषय पर आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। प्रशिक्षण में प्रदेशभर के 46 प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। संस्थान के सह निदेशक (प्रशिक्षण) डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को दूध के उत्पाद बनाकर मूल्य संवर्धन, पशुओं की सामान्य बीमारियों, चारे वाली फसलों का प्रबंध, साइलेज व हें बनाने के तरीके, मिल्क पाउडर बनाने के तौर तरीके सहित विभिन्न प्रकार की जानकारियों से रूबरू कराया। प्रशिक्षण में डॉ. सतीश जांगड़ा ने बैंक का मॉडल प्रोजेक्ट तैयार करने का तरीका बताया ताकि डेयरी की यूनिट का आसानी से स्थापित की जा सके और बैंक से आने वाली समस्या का निदान हो सके। डॉ. नीलेश ने पशुओं की बीमारियों और उनका निदान के बारे में बताया। ब्यूरो



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
कृषि जागरण	12-10-21	02	2-4

रुझान

पौष्टिक के साथ-साथ रक्तचाप को नियंत्रित करने में कासगर, किसान कर रहे पसंद

लुभा रही सफेद बटन मशरूम की खेती

खेत खलिहान

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा में किसान सफेद बटन मशरूम की खेती को काफी पसंद कर रहे हैं। यह मशरूम पौष्टिक भी है और उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करने का काम भी करता है। यही कारण है कि किसान व युवा चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लगातार इस मशरूम की खेती की जानकारी व प्रशिक्षण के लिए आवेदन कर रहे हैं। सिर्फ हरियाणा ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों से भी किसान मशरूम उत्पादन में अपना हाथ आजमाना चाहते हैं। एचएयू का एग्रीबिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर भी मशरूम उत्पादन के जरिए स्टार्ट अप स्थापित करने वालों को

मशरूम को खाने से यह मिलता है स्वास्थ्य लाभ

दीगरी व दूधिया मशरूम को लगाने का तरीका बहुत ही सरल है। इनमें स्वादिष्टता, पौष्टिकता और औषधीय गुण भी बटन मशरूम से ज्यादा पाये जाते हैं। दीगरी व दूधिया खुम्बों में भी प्रोटीन, विटामिन, खनिज, लवण, अमीनो एसिड इत्यादि प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं। इन खुम्बों में भी कई तरह के औषधीय गुण मौजूद होते हैं जो शरीर में होने वाले रोगों जैसे ज्यादा रक्तचाप, शुगर, कैंसर, दिल के रोगों इत्यादि से शरीर की रक्षा करने में सहायक होते हैं।

बढ़ावा दे रहा है। विज्ञानियों ने बताया कि हरियाणा प्रदेश खुम्ब उत्पादन में पंजाब के बाद अपना स्थान बनाए हुए है। हरियाणा में ज्यादातर किसान

कहां से ले सकते हैं मशरूम

एचएयू की पौध रोग विभाग की मशरूम टेक्नालोजी प्रयोगशाला में सफेद बटन मशरूम, दीगरी मशरूम, दूधिया मशरूम इत्यादि का बीज उपलब्ध रहता है। मशरूम व्यवसाय की शुरुआत एक कमरे या शेड से शुरू करना चाहिए और धीरे-धीरे इसे आगे बढ़ाना चाहिए।

ये तैयार होते हैं उत्पाद

खुम्ब से मूल्य संवर्धित उत्पादों जैसे खुम्ब का आचार, बिस्कुट, मुरब्बा, पापड़, वडियां, चटनी, कड़ी, कैडी बनाई जा सकती है।

सफेद बटन खुम्ब की खेती करते हैं और 3-4 महीने की इस फसल के समाप्त होते ही मशरूम फार्म को बंद कर देते हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दिन आसक्त	12-10-21	01	05

मॉनसून की वापसी से राज्य में 16 तक मौसम रहेगा परिवर्तनशील

हिसार शहर में सोमवार को अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री व न्यूनतम तापमान 20.8 डिग्री दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान सामान्य से 1 डिग्री अधिक रहा और न्यूनतम तापमान सामान्य रहा। एचएयू कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. एमएल खीचड़ ने बताया कि राजस्थान के ऊपर बने एक एन्टी साइक्लोनिक सर्कुलेशन व मॉनसून की वापसी से हरियाणा में 16 अक्टूबर तक मौसम परिवर्तनशील परन्तु खुशक रहने की संभावना है। 17 अक्टूबर से बंगाल की खाड़ी में बनने वाले सम्भावित कम दबाव के क्षेत्र से मौसम में बदलाव जिससे हवाओं व गरज-चमक के साथ 17 अक्टूबर रात्रि व 18 अक्टूबर को कहीं-कहीं बूदाबादी सम्भावित है।